विश्व स्वास्थ्य दिन – ०७ अप्रेल २०१४

विश्व स्वास्थ्य दिन : स्वयं को कीटकों द्वारा होनेवाले रोगों से संरक्षण करें ।

महत्व के मुद्दे :-

१. सभी संसर्गजन्य रोगों मे से १७% से अधिक बीमारीयाँ कीटकों से होती है, जिसके कारण १० लाख से अधिक लोगों की मृत्यू होती है।

२. सर्व साधारण रूप से १०० देशों के २५ लाख से अधिक लोगों को डेंगू रोग होने का धोखा है।

३. विश्व स्तर पर प्रत्येक वर्ष ६०,००००० से अधिक लोगों की ठंडबुखार से मृत्यू होती है।

४. इनमेसे अनेक रोगों पर उचित समय पर प्रतिबंधनात्मक सूचनायें देने पर नियंत्रित किया जा सकता है।

कीटको द्वारा होने वाले रोगों के संबंध में :-

कीटक यह छोटे रहते है किंतु गंभीर रोग फैलाते है।

सभी ओर पाये जानेवाले कीटक ⟶

कीटक रोग फैलानेवाले जीव है व परोपजीवी है जिनके संपर्क में आनेवाले एक व्यक्ति से या प्राणी से दूसरे की और फैलते है, जिसके कारण मानव जाती में अनेक गंभीर रोग होते है।

अनेक बार यह कीटक याने रक्त चूसने वाले कीडे रह सकते है। वह संसर्गजन्य मनुष्य को अथवा प्राणी को काटकर उस रक्त के माध्यम से यह जंतू शरीर में प्रवेश करते है, पश्चात् रक्त के माध्यम से आहार प्राप्त कर दूसरे के शरीर में काटकर प्रवेश करते है।

कीटको के माध्यम से बीमारीयाँ फैलानेवाले कीटको मे मच्छरो की मुख्य भूमिका रहती है, अन्यो में मख्खी एवं गेचूडी का समावेश है।

ऐसे रोग मुख्य रूप से ऐसे स्थानों पर पाये जाते है यहाँ असुरक्षित पेयजल या स्वच्छता का अभाव होता है।

विश्व में कीटकों के माध्यम से फैलनेवाली सबसे बड़ी बीमारी डेंगू है, विगत ५० वर्षो मे डेंगू रोग की घटनायें ३०% से बढ़ी है।

पर्यावरण एवं सामाजिक विषय इस रोग को फैलने की क्षमता निश्चित करते है।

पर्यटन एवं व्यापार का वैश्वीकरण, अव्यस्थित शहरीकरण एवं पर्यावरण के अनेक आव्हान एवं बदलते हुए वातावरण इनका कुछ वर्षो में रोगों के प्रसार पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है, डेंगू चिकनगुनिया जैसे रोग इसके पहले पता तक नही था अब यह रोग अनेक देशों मे दिखाई पड़ रहा है।

तापमान एवं प्राकृतिक परिवर्तनो के चलते खेती मे भी अनेक परिवर्तन दिखाई देते है। तापमान की जानकारी यह ठंडबुखार का प्रसार एवं उसके दूरगामी परिणामों को जाहिर करती है। जैसे ही अन्य सदृश्य रोगों के संबंध मे यह जानकारी उपयुक्त हो सकती है।

कुछ कीटकों के कारण होनेवाले रोग :-

रोग	वर्णन
डेंगू	मच्छरो के माध्यम से हानेवाली बीमारी जिसके कारण ज्ञान को खतरा की स्थिति निर्माण हो सकती है।
चिकन गुनिया	विषाणू रोग, मनुष्य में संसर्गित मच्छर काटने से फैलता है।
कोगो क्रिमियन हिमोरेजिक बुटवार	गंभीर बीमारी जो अनेक विषाणुओं से निर्मित होती है।
लेइशमानियासिस	मादा मख्खी काटने से होनेवाला रोग
लॅम्फेटिक फायलीरियासिस	जिस समय फिलरियॅा जाती का परजीवी मच्छर मनुष्य में प्रसारित होता है, तब यह रोग होता है।
लायम डीसीज्	संसर्गित गेचूडी के कारण यह रोग होता है
ठंड बुखार	संसर्गित मच्छर के कारण फैलता है, प्लासमों डीयम इस परजीवी मच्छर के काटने से यह रोग होता है।
येलो फीवर	विषाणूजन्य रोग एडिस इस मच्छर के कारण फैलता है।

सर्वसाधारण प्रतिबंधात्मक उपाय (General Preventive Measures) :-

A. यह तय किया जाना चाहिये कि खिडकी एवं दरवाजो पर लगी जालियाँ सुरक्षित है या नहीं।
B. मच्छरों से बचने के लिये मच्छर अगरबत्ती या मच्छर भगाने के अन्य साधनों का उपयोग करना चाहिये।
C. मच्छर काटने से बचने के लिये स्वयंरक्षा हेतु हल्के फुल्के साधे कपडे पहनना चाहिये।
D. त्वचा पर कपड़ों पर कीटकों को भगानेवाली रसायन लगाये। DEET यह खुली त्वचा पर एवं पर्मिथिन यह कपड़ों पर लगाये।
E. जहाँ जालियाँ लगी हो वहीं रहे।
F. संध्या समय में त्वचा को कम खुला रखे।
G. ताजे पानी में डुबकी मारना एवं तैरना टाले।
H. अत्यंत धोखाजनक स्थान पर काम करने के पश्चात दो घंटो के पश्चात अवश्य स्नान करें बालो को धोये।
I. कुडी, प्लास्टिक बर्तन एवं बाल्टी का पानी निकाल दे।
J. जहाँ पानी संचित होता है। उदा. टायर्स, बगीचे की वस्तुऐं, खिलौने, बाल्टियाँ एवं खुली चीजे ढककर रखे या सूखी जगह रखे।

आपके एवं आपके परिवार के संरक्षण के लिये कुछ उपाय योजना

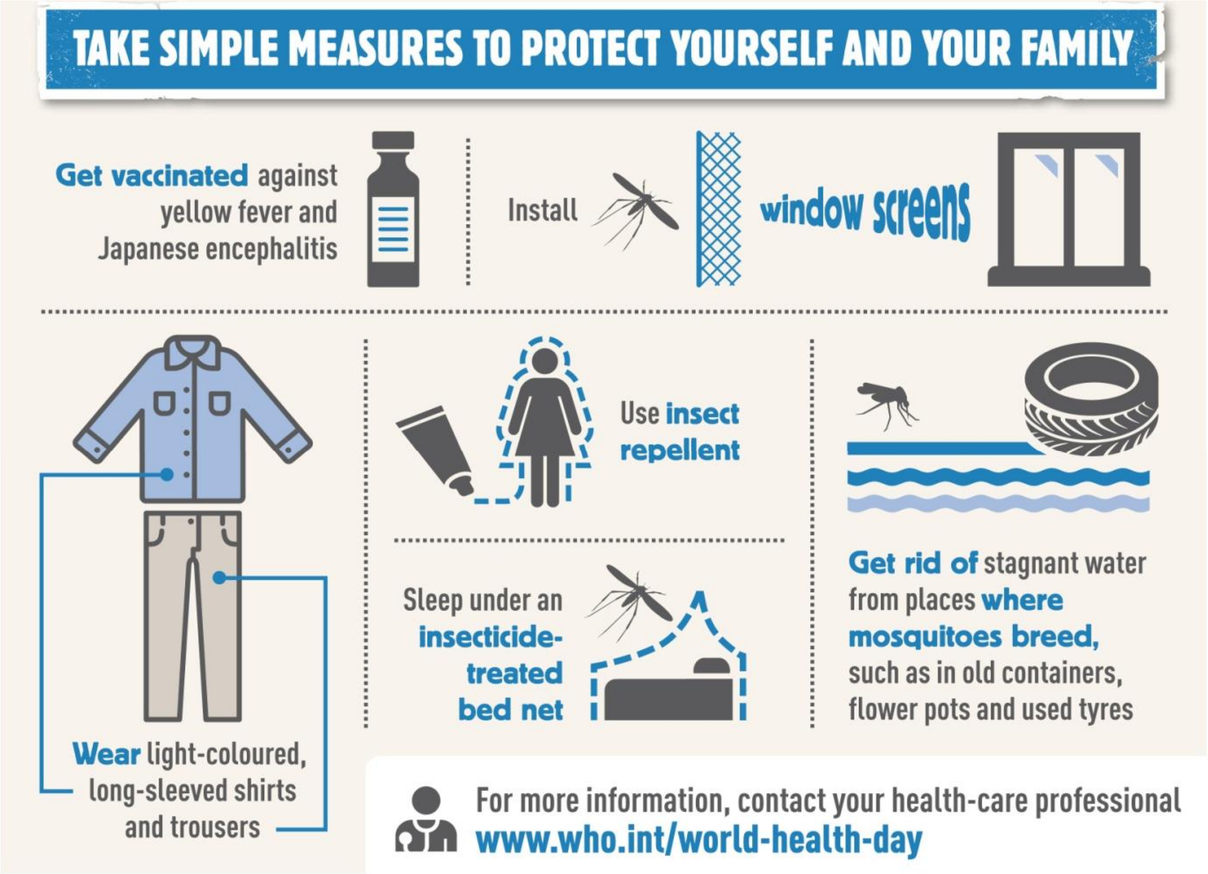

विश्व में आधे से अधिक जनसंख्या कीटकों की बीमारियाँ जैसे मलेरिया, डेंगू के रोग के खतरों से ग्रस्त है, अतः कुछ उपाय कर स्वयं को एवं परिवार को इन रोगों से बचाया जा सकता है, आईये मिलकर इन उपायो पर चर्चा कर प्रसार करें ताकि कीटको से रोग पर प्रतिबंध लगाया जा सके।

१. येलो फीवर एवं जापनिज एन्से फॅलेटिस पर प्रतिबंधक टीकाकरण।
२. खिडकियों पर जालियाँ लगाये।
३. हल्के फुल्के रंग के कपडे पहने।
४. कीटकों को भगाने की उपकरण वापरे।
५. मच्छरदानी के भीतर सोयें।
६. जिस स्थान पर जल संग्रहित रहता है, ऐसे स्थानों से पानी हटा देना चाहिये, पुराने बर्तन, टायर्स, बाल्टी मे मच्छर पैदा होते है।

संदर्भ :

http://www.who.int/campaigns/world-health-day/2014/en/